

Section A

- 1 निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए। एक मध्यकालीन पद्य और एक आधुनिक पद्य चुनिए।

मध्यकालीन पद्य (अ)

साखी – सुधा

लाली मेरे लाल की जित देखों तित लाल ।
लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल ॥
माला फेरत जुग गया, गया न मन का फेर ।
कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर ॥

कबीरदास

प्रश्न:

- (i) “जित देखों तित लाल” का अभिप्राय क्या है?
- (ii) “मैं भी हो गई लाल” का क्या अर्थ है?
- (iii) “कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर” का क्या भाव है?

[10]

अथवा

मध्यकालीन पद्य (ब)

मीरा-पद-सुधा

राम नाम रस पीजे मनुआँ, राम नाम रस पीजे ।
तज कुसंग सतसंग बैठि नित, हरि-चरचा सुनि लीजे ॥
काम-क्रोध, मद, लोभ, मोह कूँ, चित से दूर करीजे ।
मीरा के प्रभु गिरिधर नागर, ताहिके रंग में भीजे ॥

मीराबाई

प्रश्न:

- (i) “तज कुसंग” से मीराबाई का क्या अभिप्राय है?
- (ii) “गिरिधर नागर” का क्या संकेत है?
- (iii) “राम नाम रस पीजे मनुआँ, राम नाम रस पीजे ।” का भाव स्पष्ट कीजिए।

[10]

आधुनिक पद्य (अ)

उर्मिला

दोनों ओर प्रेम पलता है।
सखि, पतंग भी जलता है हा ! दीपक भी जलता है ?
सीस हिलाकर दीपक कहता --
“बन्धु वृथा ही तू क्यों दहता ?”
पर पतंग पड़ कर ही रहता,
कितनी विह्वलता है !
दोनों ओर प्रेम पलता है।

मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न:

- (i) “सीस हिलाकर दीपक कहता” का क्या अभिप्राय है?
- (ii) “वृथा” शब्द का क्या अर्थ है?
- (iii) “कितनी विह्वलता है” का ससंदर्भ आशय स्पष्ट कीजिए।

[10]

अथवा

आधुनिक पद्य (ब)

तू जीवन-गीत सुनाता है

जब बिजली आँख दिखाती है
बदली ज्वाला बरसाती है
भय से सूरज थर्राता है
जब चाँद गगन में रोता है
तब दीनानाथ दया कर के
तू मंगल दीप जलाता है ॥

ब्रजेन्द्र भगत ‘मधुकर’

प्रश्न:

- (i) “बिजली आँख दिखाती है” का क्या अर्थ है?
- (ii) “बदली ज्वाला बरसाती है” का क्या अभिप्राय है?
- (iii) दीनानाथ दया कर के क्या करता है?

[10]

- 2 'साखी-सुधा' की पठित पंक्तियों के आधार पर सन्त कबीर के उपदेशों पर प्रकाश डालिए [20]
- 3 "मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई" से मीराबाई ने भगवान कृष्ण के प्रति अपने प्रेम का किस प्रकार वर्णन किया है? पठित पद्य के आधार पर उत्तर दीजिए [20]
- 4 मैथिलीशरण गुप्त ने 'यशोधरा' में गौतम बुद्ध के गृह-त्याग की पीड़ायुक्त कथा कही है। उदाहरण सहित अपने उत्तर लिखिए [20]
- 5 ब्रजेन्द्र भगत 'मधुकर' 'तू जीवन-गीत सुनाता है' के माध्यम से क्या कहना चाह रहे हैं? उदाहरण सहित अपने विचार लिखिए [20]

Section B

- 6 जैनेन्द्र ने 'त्यागपत्र' में प्रेम, विवाह और आंतरिक संबंधों के प्रश्नों पर प्रकाश डाला है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? उदाहरण देकर उत्तर लिखिए। [20]
- 7 'त्यागपत्र' तत्कालीन जीवन की एक अंतर्दृष्टि है जिसमें एक महिला अपने विचारों और आकांक्षाओं पर जीवन जीने की कोशिश कर रही है। इस विचार पर प्रकाश डालिए। [20]
- 8 'प्रतिज्ञा' उपन्यास में प्रेमचंद ने विधवा समस्या को नये रूप में प्रस्तुत करते हुए उसका समाधान भी सुझाया है। उपन्यास के आधार पर उत्तर लिखिए। [20]
- 9 'प्रतिज्ञा' उपन्यास प्रतिज्ञा, प्यार और त्याग की कहानी है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? क्यों? [20]
- 10 'कफ़न' कहानी में प्रेमचंद ने तत्कालीन समाज पर एक गहरी चिंता व्यक्त की है। इस विचार पर प्रकाश डालिए। [20]
- 11 द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण' की कहानी 'साबुन' में प्रस्तुत मुख्य पात्रों के आधार पर इस कहानी के केंद्रीय भाव पर प्रकाश डालिए। उदाहरण देकर उत्तर लिखिए। [20]
- 12 पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' की कहानी 'खुदाराम' में किन विचारों पर प्रकाश डाला गया है? कहानी के प्रधान प्रसंगों के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। [20]
- 13 द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण' की कहानी 'साबुन' और वृन्दावनलाल वर्मा की कहानी 'शरणागत' में आपको कौन सी कहानी अधिक पसंद है और क्यों? [20]

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of Cambridge Assessment. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is a department of the University of Cambridge.